हिन्दी साप्ताहिक

न्यूज आइकॉन

T.C. NO. MAHHIN10172

संपादक - मुर्तुजा मामाजीवाला | ईमेल: newsicon2021@gmail.com | मूल्य: रु. - 2/-

वर्ष: २ | अंक: 5 | पृष्ठ: 8 | शुक्रवार, 15 जुलाई से 20 जुलाई 2022

शिवसेना नेता संजय राउत का बड़ा हमला, कहा-महाराष्ट्र में सरकार का अस्तित्व नहीं

मुंबई. महाराष्ट्र में पिछले एक सप्ताह से बारिश ने कहर मचा रखा है. राज्य का जन जीवन अस्त व्यस्त है और भारी बारिश के कारण बाढ़ जैसी स्थिति बन गई है. ऐसे में कई लोगों की जानें भी गई हैं. इस मुद्दे को लेकर शिवसेना एकनाथ शिंदे सरकार के खिलाफ मुखर हो गई है. शिवसेना नेता संजय राउत ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर हमला करते हुए कहा है कि राज्य में सरकार नाम की कोई चीज नहीं है. उन्होंने कहा कि जब महाराष्ट्र में बारिश कहर बरपा रही है तब गवर्नर कहां है पता नहीं चल रहा है.

संजय राउत ने दावा किया है कि महाराष्ट्र में सरकार का अस्तित्व ही नहीं है क्योंकि वर्तमान में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार अवैध है. उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि ऐसे हालात में जब राज्य में बारिश अपना कहर बरपा रही है, गवर्नर कहा हैं? संजय राउत ने कहा कि भारी बारिश के कारण राज्य में कॉलरा (हैजा) का प्रकोप बढ़ गया है. इससे लोगों की मौतें हो रही हैं. उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में फिर से लॉकडाउन की स्थिति बन गई है. करीब सौ लोगों की बाढ के कारण मौत हो गई है. राज्य सरकार के मुताबिक 1 जून से 10 जुलाई के बीच राज्य में बारिश और बारिश से संबंधित मामलों में 83 लोगों की जान गई है. भारी बारिश के कारण बाढ़, बिजली गिरने, भूस्खलन, पेड़ के गिरने, बारिश के कारण बिल्डिंग के गिरने जैसी घटना सामने आ रही है. इन सबमें लोगों की मौतें भी हो रही हैं. बुधवार को राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने कहा है कि राज्य में अब तक 181 लोगो कॉलरा से पीड़ित हुए हैं, इनमें पांच लोगों की मौत भी हो चुकी है.

मुंबई यूनिवर्सिटी की आज होने वाली सभी परीक्षाएं रद्द

भारी बारिश के अलर्ट के चलते लिया गया फैसला

मुंबई. महाराष्ट्र के कई शहरों व जिलों में मूसलाधार बारिश के चलते जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है. लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो गया. हजारों लोग बारिश के पानी के बीच फंसे हुए हैं. सरकार और प्रशासन लोगों की मदद करने के लिए हरसंभव कोशिश कर रही है. वहीं राज्य में बारिश भी थमने का नाम नहीं ले रही है. इस बीच मुंबई विश्वविद्यालय ने बड़ा फैसला लिया है. इसके तहत यूनिवर्सिटी में आज यानी कि गुरुवार को होने वाली सभी परीक्षाएं रद्द कर दी गई हैं. भारी बारिश के अलर्ट को देखते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन ने ये फैसला लिया है. परीक्षा की नई तारीख की घोषणा यूनिवर्सिटी प्रशासन द्वारा जल्द की जाएगी.

कुछ लोग सोचते हैं वे शासन करने के लिए पैदा हुए हैं : एकनाथ शिंदे का उद्धव ठाकरे पर तंज

मुंबईः महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने अपनी साधारण पृष्ठभूमि का हवाला देते हुए शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे पर रविवार को परोक्ष रूप से कटाक्ष करते हुए कहा कि कुछ लोग सोचते हैं कि वे शासन करने के लिए पैदा हुए हैं, लेकिन उन्हें गर्व महसूस करना चाहिए कि एक आम आदमी मुख्यमंत्री बना है. शिंदे ने यह भी कहा कि शिवसेना नेतृत्व के खिलाफ बगावत करने का उनका निर्णय ह्यऐतिहासिकह्न था और उनका हिंदुत्व ह्यसमावेशी विकासह्न सुनिश्चित करेगा. शिंदे ने पंढरपुर में एक रैली में कहा, ह्यमैं चांदी का चम्मच लेकर पैदा नहीं हुआ. मैं आप में से ही हूं. कुछ लोग सोचते हैं कि

वे शासन करने के लिए ही पैदा हुए हैं. उन्हें गर्व महसूस होना चाहिए कि एक आम आदमी ने (मुख्यमंत्री की) कुर्सी संभाली है. हमारे पास शासन करने के लिए बहुमत है. हमने कुछ भी अवैध नहीं किया है. मुख्यमंत्री ने परंपरा के तहत आषाढ़ी एकादशी के अवसर पर भगवान विट्ठल मंदिर में पूजा की. ठाणे के रहने वाले शिंदे जीविकोपार्जन के लिए ऑटोरिक्शा चलाते थे. शिंदे ने उद्धव ठाकरे के समर्थकों पर भी कटाक्ष किया, जिनमें से कुछ ने दावा किया था कि पार्टी द्वारा कई जिम्मेदारियां दिए जाने के बावजूद उन्होंने शिवसेना को धोखा दिया. शिंदे ने कहा कि पार्टी में शाखा प्रमुख से राज्य के शीर्ष पद (मुख्यमंत्री) पर उनका पहुंचना (ठाणे के शिवसेना नेता) आनंद दिघे और (शिवसेना संस्थापक) बालासाहेब ठाकरे के आशीर्वाद के कारण संभव हुआ.

शिंदे ने कहा, ह्यमैंने राजनीतिक रूप से मुझे चोट पहुंचाने के सभी प्रयासों का सामना किया है. मैं किसी की आलोचना नहीं करना चाहता और सबकुछ सार्वजनिक नहीं करना चाहता.ह्न उन्होंने कहा कि बाल ठाकरे की हिंदुत्व विचारधारा अन्य धर्मों से नफरत करने के बारे में नहीं थी. उन्होंने महा विकास आघाड़ी के घटक राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और कांग्रेस के संदर्भ में कहा कि शिवसेना के विधायकों को हराने के लिए दोनों दल अपने पराजित उम्मीदवारों को मजबूत करके शिवसेना को नुकसान पहुंचा रहे हैं. शिंदे ने कहा, ह्यइसके अलावा, पिछले ढाई वर्षों में हम उन लोगों के खिलाफ नहीं बोल पाए जिन्होंने (हिंदुत्व विचारक) वीर सावरकर का अपमान किया. उन मंत्रियों के खिलाफ भी नहीं बोल सके जिनके (भगोड़े गैंगस्टर) दाऊद इब्राहिम (राकांपा के नवाब मलिक के खिलाफ आरोप) के साथ संबंध थे.ह्न शिंदे ने कहा, ह्यमैं कम बोलूंगा पर काम ज्यादा करूंगा.

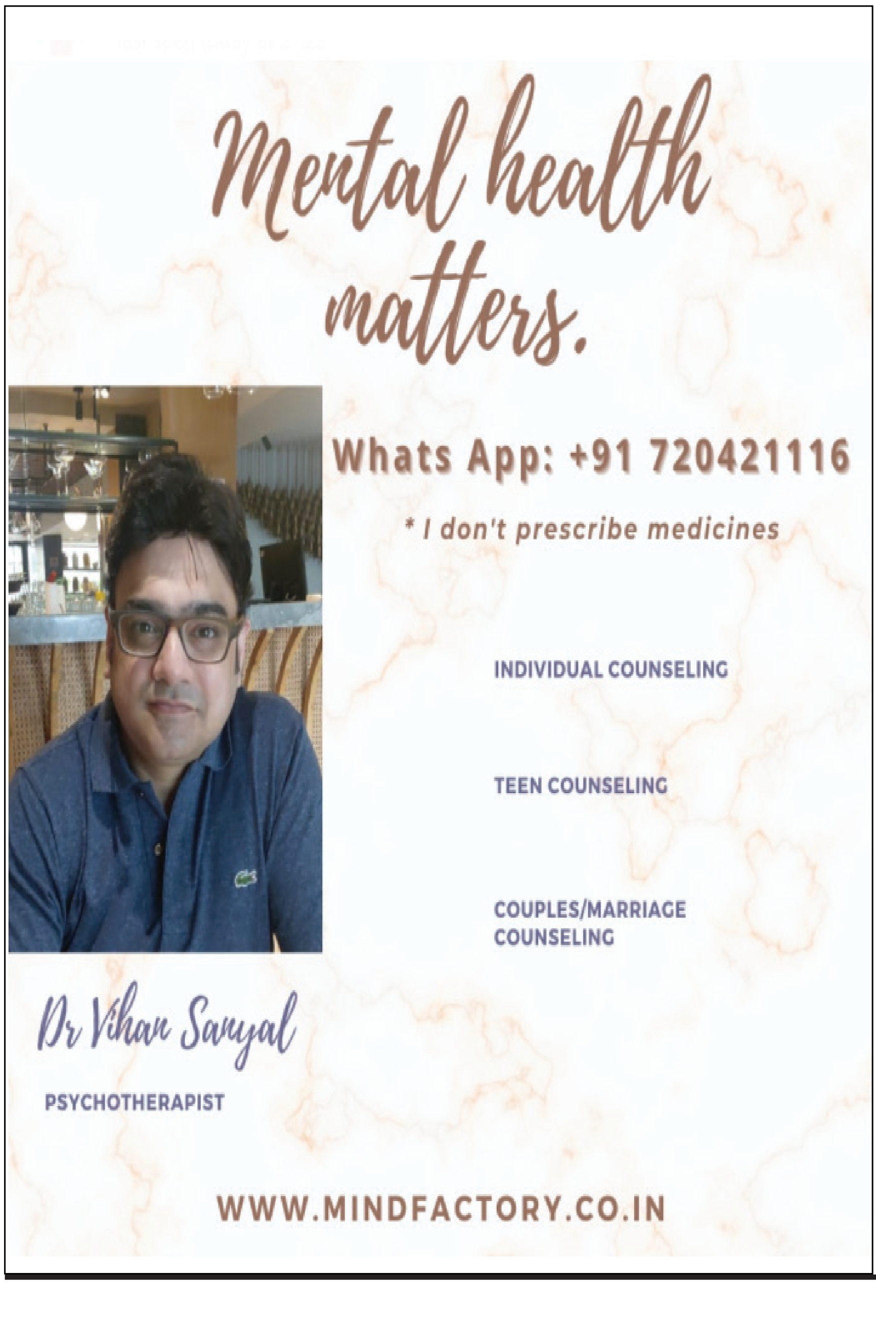

उद्धव ने दिया बीजेपी से सुलह का संकेत?

द्रौपदी मुर्मू को समर्थन देने की घोषणा से लगाए जाने लगे हैं कयास

मुंबई: राष्ट्रपति पद के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (ठऊअ) की उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू को उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना के समर्थन से एकनाथ शिंदे गुट के साथ-साथ पूर्व सहयोगी भाजपा के साथ सुलह समझौते की संभावना पैदा हो गई है. मुंबई राजनीतिक पर्यवेक्षकों में से एक ने कहा कि महा विकास अघाड़ी के अपने सहयोगियों से अलग जाकर ठाकरे ने दिखाया है कि वह एमवीए को पूरी तरह से छोड़ सकते हैं. उन्होंने कहा, ह्यह्यमुर्मू को समर्थन किये जाने से भविष्य में मेल-मिलाप और के लिए दरवाजे खुले रह सकते है.वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव के

बाद महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद को लेकर ठाकरे का भारतीय जनता पार्टी से मतभेद हो गया था. जब शिंदे के नेतृत्व में शिवसेना के ज्यादातर विधायकों ने पिछले महीने ठाकरे के नेतृत्व के खिलाफ विद्रोह किया था, तो उन्होंने दावा किया था कि वे भाजपा के साथ स्वाभाविक गठबंधन को फिर से बनाना चाहते हैं उद्धव ठाकरे की सरकार गिरने और शिंदे के भाजपा के समर्थन से मुख्यमंत्री बनने के बाद, राहुल शेवाले जैसे शिवसेना सांसदों ने खुले तौर पर ठाकरे से राष्ट्रपति चुनाव में राजग उम्मीदवार का समर्थन करने का आग्रह किया था.

एक अन्य राजनीतिक पर्यवेक्षक ने कहा, ह्यह्यठाकरे के फैसले के ज्यादा मतलब नहीं निकाले जाने चाहिए. शिवसेना ने कई बार एक अलग रुख अपनाया था, तब भी जब वह भाजपा की सहयोगी थी. राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी अध्यक्ष शरद पवार ने रविवार को कहा था कि वह चाहते हैं कि तीन एमवीए सहयोगी झ ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना, राकांपा और कांग्रेस झ सभी चुनाव एक साथ मिलकर लड़ें, लेकिन बुधवार को उन्होंने कहा कि राकांपा मुंबई निकाय चुनाव सक्रियता से लड़ेगी और उन्होंने अपनी पार्टी के कार्यकताओं से शहर में राकांपा को मजबूत करने का आह्वान किया.

महाराष्ट्र से कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रत्नाकर महाजन ने कहा कि वह शिवसेना के फैसले से हैरान नहीं हैं. उन्होंने कहा, ह्यह्यशिवसेना भाजपा के साथ प्रतिस्पर्धा कर रही है कि कौन अधिक हिंदुत्ववादी पार्टी है.

राष्ट्रपति चुनाव में द्रौपदी मुर्मू को समर्थन देगी शिवसेना, उद्धव ठाकरे का ऐलान

मुंबई. शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने मंगलवार को कहा कि उनकी पार्टी राष्ट्रपति चुनाव में राजग उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू का समर्थन करेगी. ठाकरे ने पार्टी के सांसदों, विधायकों और आदिवासियों सहित अन्य नेताओं के साथ विचार-विमर्श के बाद इस बात की औपचारिक घोषणा की. ठाकरे ने कहा, सांसदों की ओर से बिल्कुल कोई दबाव नहीं है, जैसा कि कई खबरों में दावा किया गया है. हालांकि, शिवसेना के कई नेताओं और आदिवासी समुदायों के पदाधिकारियों ने हमसे अनुरोध किया है. हमने राष्ट्रपति चुनाव के लिए द्रौपदी मुर्मू का समर्थन करने का निर्णय लिया है. ठाकरे ने कहा, मेरी पार्टी के आदिवासी नेताओं ने मुझसे कहा कि यह पहली बार है कि किसी आदिवासी महिला को राष्ट्रपति बनने का मौका मिल रहा है. ठाकरे ने कहा, दरअसल, वर्तमान राजनीतिक माहौल को देखते हुए, मुझे उनका समर्थन नहीं करना चाहिए था, लेकिन हम संकीर्ण मानसिकता वाले नहीं हैं.उन्होंने याद किया कि शिवसेना ने 2007 और

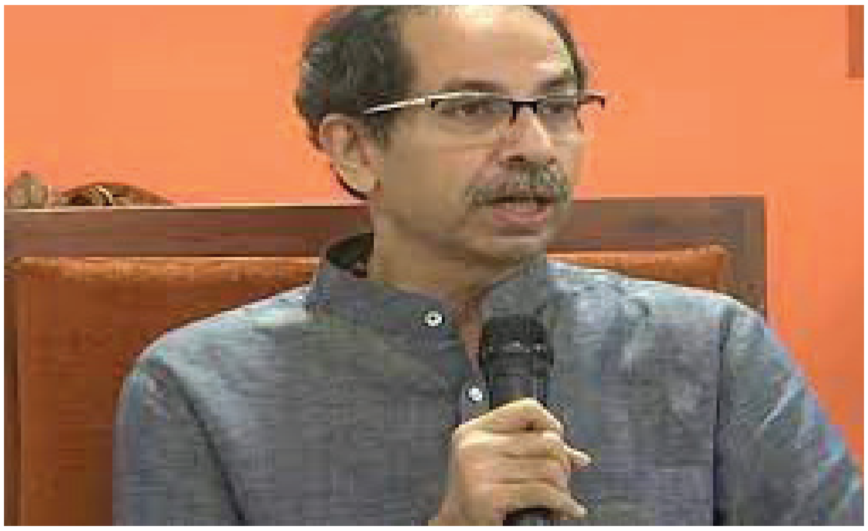

2012 में हुए राष्ट्रपति चुनावों में संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) उम्मीदवारों क्रमशः प्रतिभा पाटिल और प्रणब मुखर्जी का समर्थन किया था, भले ही उस समय शिवसेना, भाजपा के नेतृत्व वाले राजग की एक घटक थी. ठाकरे ने कहा, उस समय भी शिवसेना ने राजनीति से परे सोचा था और वह किया जो देश के लिए अच्छा था.लोकसभा में शिवसेना के 19 सांसद हैं, जिनमें 18 महाराष्ट्र से हैं. राज्यसभा में इसके तीन सांसद हैं. महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना के पास 15 विधायक बचे हैं क्योंकि 40 विधायक एकनाथ शिंदे गुट के साथ हो गए हैं. अगला राष्ट्रपति चुनने के लिए चुनाव 18 जुलाई को होगा. राष्ट्रपति भवन की दौड़ मुर्मू और विपक्ष के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा के बीच होगी. बीजद, वाईएसआर-कांग्रेस, बसपा, अन्नाद्रमुक, तेदेपा, जदएस, शिरोमणि अकाली दल और अब शिवसेना जैसे कुछ क्षेत्रीय दलों का समर्थन मिलने के बाद, राजग उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू के मतों की हिस्सेदारी पहले ही 60 प्रतिशत के पार हो चुकी है. उनके नामांकन के समय यह लगभग 50 प्रतिशत थी. देश के नए राष्ट्रपति के लिए मतदान 18 जुलाई को होगा और वोटों की गिनती 21 जुलाई को की जाएगी. चुनाव जीतने पर मुर्मू देश की पहली आदिवासी और दूसरी महिला राष्ट्रपति होंगी. कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) समेत देश के प्रमुख गैर-भाजपा समर्थक दलों ने राष्ट्रपति चुनाव के लिए पूर्व केंद्रीय मंत्री यशवंत सिन्हा को संयुक्त उम्मीदवार बनाया है.

आरे बचाओ प्रदर्शन में बच्चों के इस्तेमाल पर फंसे आदित्य ठाकरे! FIR दर्ज कराने की मांग

मुंबई. बाल अधिकारों के लिए काम करने वाली शीर्ष संस्था एनसीपीसीआर ने आरे वन बचाओ अभियान में कथित तौर पर बच्चों का इस्तेमाल करने के लिए शिवसेना नेता आदित्य ठाकरे के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने की मांग की है. राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) ने मुंबई पुलिस को एक नोटिस भेजा है. नोटिस के अनुसार, उसे एक शिकायत मिली है जिसमें कहा गया है कि मुंबई जिला फुटबाल संघ के अध्यक्ष आदित्य ठाकरे ने शिव सेना के युवा प्रकोष्ठ युवा सेना में, आरे बचाओ प्रदर्शनों में और राजनीतिक अभियानों में नाबालिगों का इस्तेमाल किया है.उसने ट्विटर का एक लिंक भी साझा किया जिसमें प्रदर्शन के दौरान बच्चे हाथ में तख्तियां लिए खड़े हैं. आयोग ने कहा कि इसे ध्यान में रखते हुए आयोग आरोपी के खिलाफ तत्काल प्राथमिकी दर्ज करके मामले की जांच करने का अनुरोध करता है. इसमें कहा गया, इस पत्र के प्राप्त होने के तीन दिन के भीतर की गई कार्रवाई की रिपोर्ट, प्राथमिकी की प्रति और बच्चों के बयान आयोग को सौंपे जाएं

संपादकीय

संपादक - मुर्तुजा मामाजीवाला

रुकी हुई भर्ती के काल में अग्निपथ

इन दिनों युद्ध कंप्यूटर रूम में लड़े जाते हैं, तकनीकी रूप से मिसाइलों का उपयोग करते हुए, हवाई हमलों के माध्यम से कालीन बमबारी आदि युद्ध के मुख्य तरीके बन चुके हैं। इसलिए उस दृष्टिकोण से, हमें सेना के इष्टतम आकार पर काम करने की आवश्यकता है। हमारी जैसी स्थिति वाले अन्य देशों पर नजर डालें, तो पाते हैं कि वे अपनी सेना का आकार छोटा करते हुए, तकनीकी युद्ध, मिसाइलों, लड़ाकू विमानों और यहां तक कि छद्म रूप से जैविक युद्ध के माध्यम से भी अपनी रणनीति बनाकर स्वयं को सैन्य रूप से अधिक मजबूत बना रहे हैं 14 जून 2022 को घोषित ह्यअग्निपथ योजनाह्न, जिसमें चयन की प्रक्रिया 24 जून से प्रारंभ हुई है, युवा पुरुषों और महिलाओं, जिन्हें अग्निवीर कहा जाएगा, को एक निश्चित अवधि के लिए अधिकारियों से नीचे के रैंक हेतु सशस्त्र बलों में शामिल करने का प्रावधान है। इसके बारे में देश में काफी बहस चल रही है। अग्निवीरों के लिए कुल 4 वर्षों की कार्यावधि निर्धारित की गई है, जिसमें 17.5 से 23 वर्ष की आयु के बीच के युवा सशस्त्र बलों में अपनी सेवाएं देंगे। इस योजना से 46000 सैनिक की भर्ती भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना में की जानी है। इस कार्य के लिए उन्हें 30 से 45 हजार रुपए की मासिक परिलब्धियां हासिल होंगी। सेवानिवृत्ति के बाद 11 से 12 लाख रुपए की राशि के साथ ही, सेवा के दौरान उन्हें चिकित्सा सेवाओं के साथ-साथ उन्हें सैन्य कैंटीन का लाभ भी मिलेगा (जहां आवश्यक वस्तुएं करों से मुक्त, रियायती कीमतों पर खरीद के लिए उपलब्ध होती हैं)। इनमें से 25 प्रतिशत अग्निवीर स्थायी आधार पर सेना में आगे रोजगार के लिए पात्र भी होंगे। सरकार ने इसे और आकर्षक बनाने हेतु अपनी मूल योजना में कुछ संशोधन भी किए हैं और 05 जुलाई 2022 तक सरकार को केवल वायु अग्निवीरों के लिए ही 7.5 लाख आवेदन प्राप्त हुए थे। इस प्रकार से युवाओं को चार साल की निश्चित अवधि के लिए सेना में शामिल करने की प्रक्रिया आगे बढ़ने लगी है।
हालांकि, इस योजना को एक बड़े कार्यक्रम के रूप में घोषित किया गया था, इस योजना के विरोध में सरकार को बहुत मुश्किलों का सामना करना पड़ा था, जहां कम से कम 12 ट्रेनों को उत्तेजित युवाओं द्वारा जला दिया गया था और अन्य सार्वजनिक संपत्तियों को भी नष्ट कर दिया गया। कुछ राजनीतिक दल भी आंदोलन के माध्यम से इस योजना का विरोध कर रहे हैं और यहां तक कि उनके द्वारा शासित राज्यों की विधानसभाओं में प्रस्ताव भी पारित किया जाना प्रारंभ भी हुआ है। चूंकि विपक्षी दलों द्वारा शासित राज्यों की संख्या बहुत कम है, ऐसे प्रस्ताव बहुत अधिक नहीं होंगे। इसके अलावा उड़ीसा में सत्तारूढ़ बीजू जनता दल ने इस मुद्दे पर चुप रहने का विकल्प चुना है। ऐसा लगता है कि अब अग्निपथ योजना का विरोध ठंडा हो रहा है। इस योजना के प्रति युवाओं में खासा आकर्षण देखने में आ रहा है। इस योजना की मुख्य बातों के अलावा, राष्ट्रीय सुरक्षा की जरूरतों, वित्तीय निहितार्थ, युवाओं की रोजगार योग्यता, सार्वजनिक और निजी क्षेत्र में भविष्य में नौकरी के अवसर आदि के संदर्भ में इस योजना के बारे में 360 डिग्री दृष्टिकोण लेने का समय है।हालांकि सेना में कार्य को देशभक्ति का उत्कृष्ट प्रकार माना जाता है, फिर भी यदि संख्या के रूप में देखें तो भारतीय सेना की कुल संख्या 14 लाख है, और इसके अलावा 1.25 लाख पद खाली हैं। हालांकि सरकारों की उदासीनता सेना में बड़ी रिक्तियों को न भरने के लिए जिम्मेदार हो सकती है, लेकिन इस मुद्दे से अवगत लोगों द्वारा एक और बात रखी जाती है कि सैन्यकर्मियों के लिए कठोर शर्तों के कारण भी इन रिक्तियों को नहीं भरा जा सका। पूर्व में सेना के अधिकारियों के पदों को भरने के लिए कई शर्तों में ढील भी दी गई थी और भर्ती के लिए अभियान भी चलाए गए, इसके बावजूद 9 हजार अधिकारियों के पद अभी भी खाली हैं। वर्ष 2022-23 के बजट अनुमानों के अनुसार भारत का रक्षा बजट 5.25 लाख करोड़ रुपए का है।

आज दुनिया के लिए सबक है श्रीलंका

जब समस्याएं हद से पार हो जाती हैं, तब लोगों के पास और कोई चारा नहीं बचता है। श्रीलंका में यही हुआ, गुस्साए लोग आगे बढ़े और राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री के आवासों, दफ्तरों पर कब्जा कर लिया। कितने ऐशो-आराम से उनके राष्ट्रपति रह रहे थे, यह लोगों ने देखा और दुनिया को भी दिखाया। यह विडंबना ही है कि आम लोग पेट्रोल और गैस की लंबी कतारों में घंटों खड़े होने को मजबूर हैं, लेकिन उनके बीच राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे और प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे की परस्पर हंसने-बतियाने की तस्वीरें वायरल हो रही थीं। लोग भड़क गए कि जहां हम जरूरी चीजों के लिए तरस रहे हैं, वहीं हमारे राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को परस्पर हंसी-मजाक सूझ रहा है? राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री को आखिर जनता क्यों चुनती है?
वैसे श्रीलंका में विरोध प्रदर्शन काफी पहले से चल रहे थे, लेकिन लोग इस बात से खास क्रोधित थे कि महिंदा राजपक्षे ने तो प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया, लेकिन राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे ने इस्तीफा नहीं दिया। पद भी नहीं छोड़ रहे और देश की स्थितियों को भी नहीं सुधार रहे हैं। जनता कितनी नाराज है, इसकी जानकारी राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को थी, शायद इसीलिए परिवार सहित उन्होंने अपना आवास खाली कर दिया था। जब लोग कब्जा करने आए, तब सुरक्षाकर्मियों ने भी रोकने के लिए कुछ खास नहीं किया। लोगों की संख्या इतनी ज्यादा थी कि सरकार घुटने टेकने को मजबूर हो गई। प्रधानमंत्री ने तो मजबूर होकर जल्दीबाजी में इस्तीफा दे दिया है और अब चाहते हैं कि अगले प्रधानमंत्री के आने तक वह पद पर बने रहें, ताकि खासकर अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के साथ चल रही बातचीत न रुके। उनका कहना है कि अगर श्रीलंका में कोई सरकार ही नहीं रहेगी, तो मदद लेने के सारे प्रयास एकाएक थम जाएंगे। इधर, राष्ट्रपति गोटाबाया ने तत्काल इस्तीफा नहीं दिया, पर किसी अज्ञात स्थान से उन्होंने सूचना दी है कि वह 13 जुलाई को इस्तीफा देंगे, जबकि लोग तत्काल उनका इस्तीफा चाहते हैं। श्रीलंकाई संसद के अध्यक्ष ने दोनों को फौरन इस्तीफा देकर अगली सर्वदलीय सरकार के गठन के लिए रास्ता साफ करने को कहा है। राजपक्षे परिवार के पास अब कोई रास्ता नहीं बचा है, श्रीलंका की राजनीति में फिलहाल के लिए उनका समय लद चुका है। उनके परिवार की अगली पीढ़ी को शून्य से शुरूआत करनी पड़ेगी। वर्ष 2009 के बाद से ही यह परिवार श्रीलंका में बहुत लोकप्रिय बना हुआ था, यहां तक कि साल 2019 के चुनाव में इन्हें लोगों ने बहुत पसंद किया था। देश को आतंकवाद से मुक्ति दिलाने का श्रेय महिंदा राजपक्षे को दिया जाता है। अति-राष्ट्रवादी राजपक्षे से लोगों को बड़ी उम्मीदें थीं। उन्होंने बड़े-बड़े वादे भी किए थे। लोक-लुभावन नीतियों के तहत बड़े पैमाने पर करों में रियायत दी गई थी। लोगों को खुश करने और आत्मनिर्भर देश बनाने की कोशिश में बुनियादी कमियों या सरकार चलाने की औपचारिकताओं को राजपक्षे भूलते जा रहे थे। दुनिया के लिए श्रीलंका आज सबक है। कृषि और पर्यटन पर यह देश निर्भर रहा है। अत्यधिक उत्साह में ऑर्गेनिक खेती को अनिवार्य बनाया गया। रासायनिक खेती के लिए बाहर से उर्वरक मंगवाने में विदेशी मुद्रा खर्च हो रही थी। देश में ऑर्गेनिक खेती की शुरूआत हुई, लेकिन उत्पादन न निर्यात के योग्य हुआ और न देश की जरूरतें पूरी हुईं। कोरोना महामारी ने पर्यटन क्षेत्र को भी चौपट कर दिया। आय के स्रोत बंद हो गए, तो मदद की जरूरत पड़ी, लेकिन कोई भी देश कितनी मदद कर सकता है? हर किसी की अपनी अर्थव्यवस्था है। जो देश श्रीलंका को पैसे देगा, वह उम्मीद भी करेगा, पर क्या श्रीलंका में लौटाने की क्षमता है? यहां ध्यान रहे, श्रीलंका के अखबार संडे टाइम्स ने भारत की आलोचना की थी कि भारत धर्मार्थ मदद नहीं दे रहा है। भारत ने हरसंभव मदद दी है और मानवीय नजरिए से अभी भी मदद कर रहा है, लेकिन भारत कोई विकसित देश नहीं है। वह उदारता से मदद करेगा, पर उसकी एक सीमा है, इसका एहसास श्रीलंका को जरूर होना चाहिए। भारत सरकार की ओर से भी खूब मानवीय मदद गई है और तमिलनाडु सरकार की ओर से भी गई है। भारत को श्रीलंका की स्थितियों पर निगाह रखनी चाहिए और कोशिश करनी चाहिए कि पड़ोसी देश मुसीबतों से जल्दी उबर आए। आज श्रीलंका जिस हालत में पहुंच गया है, अब अचानक उसकी स्थिति नहीं सुधर सकती। गौर करने की बात है कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से उसे मदद नहीं मिल रही है, क्योंकि वहां की सरकार मुद्रा कोष के नियमों-निर्देशों का पालन करने के पक्ष में नहीं रही है। मुद्रा कोष धन देता है, लेकिन उसकी कुछ नीतियां भी हैं, जिनके तहत वह धन वापसी सुनिश्चित करना चाहता है। अति-राष्ट्रवाद के चक्कर में श्रीलंका मुद्रा कोष के नियम-कायदों को मानने को तैयार नहीं था। अब मुसीबत में फंसने के बाद वह तैयार हो रहा है और पूरी गंभीरता के साथ उसकी मुद्रा कोष से बातचीत चल रही है। इस बातचीत में बाधा न पड़े, इसके लिए निवर्तमान प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे अगले प्रधानमंत्री तक पद पर बने रहना चाहते हैं। श्रीलंका के लिए यही उचित है कि वह अपनी नीतियों को बदले या व्यावहारिक बनाए, ताकि दुनिया भर से उसके लिए मदद के रास्ते खुलें। राजपक्षे की नीतियां नाकाम हो गई हैं।

कानपुर हिंसा: पत्थरबाजी करने वालों को 1000 रुपये, बम फेंकने वालों को 5000 रुपये मिले थे, फंडिंग..

कानपुर: कानपुर हिंसा की जांच कर रही एसआईटी ने बड़ा खुलासा करते हुए कोर्ट को बताया है कि नुपूर शर्मा के बयान के खिलाफ भड़की हिंसा में हर पत्थरबाज को हजार रुपये और पेट्रोल बम फेंकने वाले को 5000 रुपए प्रति व्यक्ति दिया गया था। एसआईटी ने कहा है कि नई सड़क हिंसा का मुख्य उद्देश्य चन्द्रेश्वर हाता खाली कराना था।इसके लिए बिल्डर हाजी मोहम्मद वसी ने मुख्य आरोपित हयात जफर हाशमी के संगठन को 10 लाख रुपये दिए थे। हाता खाली होने के बाद 90 लाख रुपये और दिए जाने थे। यह खुलासा वसी ने एसआईटी की पूछताछ में किया है। 3 जून को हुई हिंसा की एसआईटी ने कोर्ट में केस डायरी दाखिल की है। उसमें बताया गया कि पत्थरबाजों को हजार रुपए व पेट्रोल बम वालों को 5000 रुपए दिया गया। उपद्रवियों को हिंसा फैलाने के लिए पैसे दिए गए थे। केस डायरी पब्लिक प्रोसिक्यूटर दिनेश अग्रवाल ने दायर की है। वहीं वसी, जफर समेत हिंसा से जुड़े लोगों की एसआईटी डिटेल खंगाल रही है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक बिल्डर वसी से ने पूछताछ में बताया कि चन्द्रेश्वर हाता की जमीन पर उसकी लंबे समय से नजर थी। वह वहां पर अपार्टमेंट के साथ एक मार्केट भी बनवाना चाहता था। इसी दौरान उसकी मुलाकात हयात जफर हाशमी से हुई। हयात ने बताया कि वह भाजपा नेत्री के आपत्तिजनक बयान पर बंदी कराने वाला है। वसी ने पुलिस को बताया कि यह बात सुनकर उसने हाता खाली कराने की योजना बनाई। इसके लिए उसने हयात से एक करोड़ रुपये में सौदा किया। 10 लाख उसे नकद दे दिए। बाकी रकम भी हाता खाली होने के बाद नकद ही दी जानी थी। वसी ने हिंसा के लिए एक दिन में 34 लाख रुपए की दो प्रार्टी बेची। इसे पहले उसने तीन प्रार्टी अप्रैल, फरवरी और दिसंबर बेची। जिसकी कीमत 35 लाख, 17 लाख और 75 लाख थी। वहीं हाशमी ने मई, दिसंबर और जनवरी में प्रार्पटियां बेची जिसमें 14 लाख, 10 लाख और 7 लाख मिले। डीसीपी प्रमोद कुमार ने बताया कि बिल्डर वसी से पूछताछ में चन्द्रेश्वर हाता खाली कराने के लिए पैसे के लेन-देन की बात सामने आई है। यह पैसा कहां से आना था और कैसे आना था.

बिहार में कोरोना संक्रमण की डरावनी रफ्तार, एक दिन में 565 केस मिले; पटना में महिला की मौत

पटना: बिहार में कोरोना संक्रमण अब डराने लगा है। राज्य में बुधवार को 24 घंटे के भीतर 565 नए कोरोना संक्रमित पाए गए। इनमें से 219 केस अकेले राजधानी पटना से हैं। इस दौरान पटना में एक महिला मरीज की मौत भी हो गई। बिहार विधानसभा और पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय में कोविड केस मिलने से हड़कंप मच गया। स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने कहा कि सूबे में कोविड टेस्ट और वैक्सीनेशन की रफ्तार बढ़ाई जाएगी। बूस्टर डोज के लिए ज्यादा से ज्यादा लोगों को प्रेरित किया जाएगा। बिहार में बुधवार को 398 मरीज स्वस्थ भी हुए। राज्य में कोरोना के एक्टिव केस की संख्या 2500 के पार हो गई है। पटना के अलावा चार अन्य जिलों में 20 से ज्यादा संक्रमित मिले। बुधवार को भागलपुर से 89, बांका से 38, गया से 23 और खगड़िया से 20 कोविड पॉजिटिव पाए गए। इनके अलावा जहानाबाद, मुजफ्फरपुर, नालंदा, पूर्णिया और सारण जिले में भी 10 से ज्यादा नए केस मिले हैं। बक्सर, जमुई, किशनगंज, औरंगाबाद, पूर्वी चंपारण, कैमूर, कटिहार, वैशाली, गोपालगंज, लखीसराय, मुंगेर, शेखपुरा, सीतामढ़ी, मधुबनी, बेगूसराय, शिवहर, सुपौल और पश्चिमी चंपारण से भी कोविड मरीज पाए गए हैं। `राजधानी पटना में गुरुवार को कोरोना संक्रमित एक महिला ने दम तोड़ दिया।

पूरी दिल्ली में 30 जगह लगाए गए विस्फोटक, महज 12 को तलाश पाई पुलिस

नई दिल्ली: राजधानी में पुलिस विभागों की तैयारियों की जांच करने के लिए दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने पिछले एक महीने में हाई फुटफॉल (ज्यादा जोखिम) वाले स्थानों में 30 डमी इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) लगाईं। इसमें से सार्वजनिक, निजी सुरक्षा गार्ड और स्थानीय पुलिस केवल 12 का ही पता लगा पाई। भारतीय उपमहाद्वीप में अल-कायदा द्वारा एक चेतावनी जारी करने के बाद डमी आईईडी प्लांट करने का फैसला लिया गया था। आतंकी संगठन ने बीजेपी की निलंबित नेता नुपूर शर्मा के विवादित बयान को लेकर दिल्ली, मुंबई, उत्तर प्रदेश और गुजरात में आत्मघाती बम विस्फोट करने की चेतावनी दी है। हाल ही में एक अपराध समीक्षा बैठक के दौरान विशेष पुलिस आयुक्त (स्पेशल सेल) हरगोबिंद सिंह धालीवाल ने पुलिस आयुक्त राकेश अस्थाना के सामने इस तरह के नकली घुसपैठ अभ्यास करने को लेकर प्रजेंटेशन दी थी।इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा,

15 डमी आईईडी का पहला बैच 12 जून को दिल्ली के जिलों में लगाया गया था, और उनमें से 10 का पता चला था। दक्षिणपूर्व और उत्तरी जिलों में 10 में से दो का पता जनता ने, तीन का दक्षिण, रोहिणी और बाहरी जिलों के मॉल के सुरक्षा गार्डों ने और पांच का उत्तर, पूर्वोत्तर, पूर्व, उत्तर-पश्चिम और बाहरी उत्तर जिलों की स्थानीय पुलिस ने लगाया था। कार से गोवर्धन परिक्रमा लगाने मथुरा पहुंचे तेजप्रताप को पुलिस ने रोका, योगी सरकार पर भड़के लालू के बेटे धालीवाल ने पुलिस प्रमुख को यह भी बताया कि 28 जून को फिर से सभी जिलों में 15 डमी आईईडी का एक और बैच लगाया गया था.

यूपी में अलर्ट, हेलीकॉप्टर से हो रही कांवड़ यात्रा की निगरानी, नया ट्रैफिक प्लान लागू

हरिद्वार/लखनऊ। कांवड़ यात्रा गुरुवार से विधिवत शुरू हो जाएगी। विभिन्न प्रदेशों से हरिद्वार पहुंचने वाले करोड़ों कांवड़ियों के स्वागत के लिए धर्मनगरी तैयार है। काफी संख्या में कांवड़िए हरिद्वार पहुंच भी चुके हैं। इस बीच कांवड़ यात्रा को लेकर यूपी में अलर्ट किया गया है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में खासतौर पर कड़ी निगरानी की जा रही है। कांवड़ यात्रा के तीन मार्गों पर हेलीकॉप्टर से नजर रखी जाएगी। कांवड़ यात्रा के साथ ही सावन महीने की भी शुरूआत हो रही है। गुरुवार रात से ट्रैफिक प्लान भी लागू कर दिया जाएगा। हाईवे पर भारी वाहन दिन के समय बंद कर दिए जाएंगे। कांवड़ यात्रा का समापन 26 जुलाई को होगा। डीआईजी डॉ. योगेंद्र सिंह रावत ने बताया कि 14 से 19 जुलाई तक भारी वाहन बंद रात 12 बजे से सुबह 5 बजे के बीच ही चल सकेंगे। 20 से मेला समापित तक हरिद्वार, दिल्ली, हरिद्वार देहरादून हाईवे पर पूरी तरह से भारी वाहन बंद कर दिए जाएंगे। वहीं कई इलाकों में सावन के महीने में होने वाली कांवड़ यात्रा शुरू होने से पहले 14 से 26 जुलाई तक यात्रा मार्ग के किनारे शराब और मांस बेचने वाली सभी अवैध दुकानों को बंद करने का निर्णय लिया गया है। कांवड़ यात्रा इस साल 14 जुलाई से 26 जुलाई के बीच आयोजित की जाएगी। यह गंगा जल लाने के लिए उत्तराखंड में हरिद्वार, गौमुख और गंगोत्री के लिए कांवड़ियों के नाम से जाने जाने वाले शिव भक्तों की वार्षिक तीर्थयात्रा है.

कविता

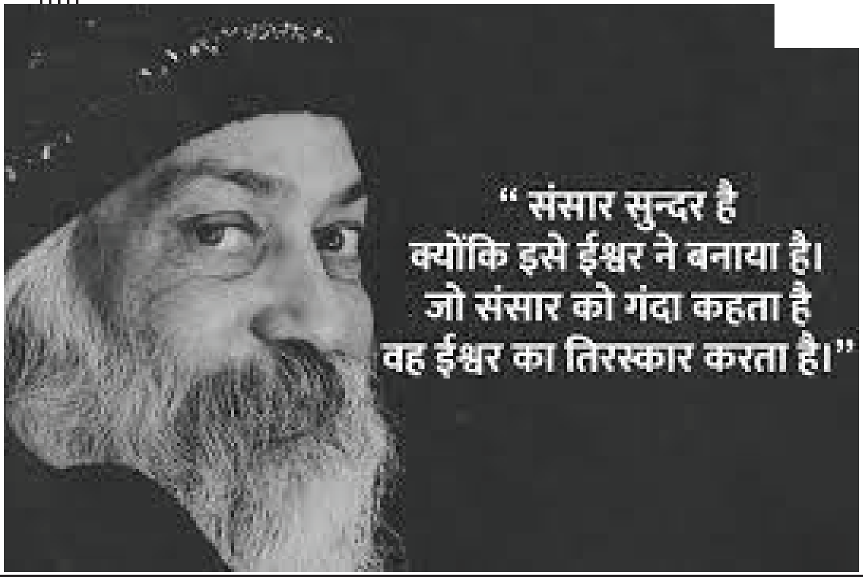

कहै कबीर दीवाना-ओशो

बुद्धों के पास पीड़ा जगती है, विरह उठता है। हृदय रुदन से भर जाता है। आंखों में आंसू झलक आते हैं। कोई अनजानी पुकार, कोई आवाज, जिसकी दिशा भी पहचानी नहीं, जहां कभी पैर भी नहीं चले, ऐसा कोई रास्ता, ऐसा कोई मार्ग बुलाने लगता है। और ऐसे उठती है पुकार--पल बिसरे नाही। कि एक क्षण भी भूलती नहीं।

प्रीति लागी तुम नाम की पल बिसरे नाही,
नजर करो अब मिहर की, मोहे मिलो गुसाई।

अब बहुत हो चुका। अब थोड़ी कृपा इस तरफ भी हो जाए। नजर करो मेहर की। अनुकंपा मुझ पर भी हो जाए। अब मिला गुसाई। अब बहुत विरह हो गया।जिस दिन पहली दफा विरह का भाव उठता है। विरक के भाव का अर्थ है, लगता है कि परमात्मा को पाए बिना कुछ भी सार्थक नहीं है। लगता है सब कुछ दांव पर लगा देने जैसा है **जारी...**

मोटापा कंट्रोल रखने से लेकर दिमाग तक को तंदुरुस्त रखता है बैंगन

बैंगन का इतिहास काफी पुराना है और इसे भारत की सब्जी माना जाता है. कयास लगाए जाते हैं कि इसका नाम बैंगन इसलिए पड़ा, क्योंकि यह बेगुण है. लेकिन इस कयास में कोई दम नहीं है. बैंगन खाने से मोटापा तो कंट्रोल में रहता ही है, यह दिमाग को भी तंदरुस्त रखता है. माना यह भी जाता है कि भोजन को संतुलित बनाए रखने के लिए बैंगन का सेवन करते रहना चाहिए. बैंगन को सब्जियों का राजा भी कहा जाता है, लेकिन इस दावे में दम नहीं है. भारत का प्राचीन आहार है बैंगन हजारों साल पहले बैंगन को जंगली माना जाता था,

लेकिन इसके गुण पता होने के बाद इसकी खेती की जाने लगी. वनस्पति विज्ञानी व लेखक डॉ. बिश्वजीत चौधरी बैंगन को भारत की सब्जी मानते हैं और यह भी कहते हैं कि देश में यह सब्जी के रूप में प्राचीन काल से ही खाया जा रहा है. भारतीय अमेरिकन वनस्पति शास्त्री डॉ. सुषमा नैथानी ने अपनी रिसर्च रिपोर्ट में जानकारी दी है कि बैंगन का उत्पत्ति केंद्र इंडो-बर्मा उपकेंद्र है, जिसमें भारत का असम का इलाका और पड़ोसी म्यांमार शामिल है. लेकिन बड़ा सवाल यह है कि कौन सी शताब्दी या काल में बैंगन की उत्पत्ति हुई और यह कैसे पूरे विश्व तक पहुंचा. वैसे एक रिपोर्ट ने यह कन्फर्म किया है कि हड़प्पाकालीन सभ्यता में बैंगन का सेवन किया जाता था. बीबीसी की एक रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2010 में हड़प्पा सभ्यता के सबसे बड़े शहर राखीगढ़ी स्थित फरमाना क्षेत्र में खुदाई के दौरान प्राप्त खाने-पीने की वस्तुओं को शोधकताओं ने विश्लेषण किया था. इनमें वैंकूवर यूनिवर्सिटी और वाशिंगटन स्टेट यूनिवर्सिटी के पुरातत्वविद अरुणिमा कश्यप और स्टीव वेबर ने स्टार्च एनालिसिस करके मिट्टी के एक बर्तन में दुनिया की सबसे पुरानी सब्जी (पकी हुई) खोज निकाली, जो बैंगन, अदरक और हल्दी डालकर बनाई गई थी. इसका अर्थ यही था कि आज से 4000 साल पूर्व बैंगन भोजन में शामिल था. यह बैंगन की खट्टी-मीठी सब्जी थी. इस खुदाई ने यह भी कन्फर्म किया कि उस काल में अदरक व हल्दी का भी उपयोग किया जा रहा था.

मनीष पॉल की नजरों में डाउन-टू-अर्थ हैं वरुण धवन

बताया अनिल कपूर संग काम करने पर थे बेहद नर्वस

जुग जुग जियो 24 जून को सिनेमाघरों मे रिलीज हुई थी. फिल्म में वरुण धवन कियारा आडवाणी अनिल कपूर और नीतू कपूर के संग मनीष पॉल और प्राजक्ता कोली भी देखे गए. फिल्म में मनीष पॉल ने अपनी शानदार एक्टिंग से दर्शकों को खुश कर दिया था. हर किसी ने उनकी खूब तारीफ की. फिल्म रिलीज होने के बाद अब मनीष पॉल ने वरुण धवन और अनिल कपूर संग पहली बार स्क्रीन शेयर करने पर बातें की . इसके साथ ही खुलासा किया कि वह अनिल के संग काम करते बेहद नर्वस

थे जबकि वरुण के साथ उन्होंने खूब मस्ती किया. ईटाइम्स से बात करते हुए, मनीष ने कहा, मैं अनिल कपूर जैसे दिग्गज के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करने को लेकर थोड़ा नवर्स था. मैंने उनके साथ पहले एक शो होस्ट किया था, लेकिन एक फिल्म में उनके साथ काम करना उस सीन से एकदम अलग माजरा रहा.ह्वआगे वरुण धवन की साथ स्क्रीन शेयर पर मनीष पॉल ने कहा, ह्ववरुण के साथ मेरा अनुभव बेहद शानदार रहा है. सेट पर हमने अच्छा टाइम स्पेंड किया. ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि वरुण इतने डाउन-टू-अर्थ और चिल्ड-आउट व्यक्ति हैं. उन्हें कभी ये फील नहीं होने दिया कि ह्यमैंने बड़ी फिल्में की हैं, मैं यह नहीं करूंगा या ऐसा करने का प्रयास करें. वह एक ऐसे व्यक्ति हैं जो हमेशा मस्ती करते हैं और वह जो करते हैं उसमें वाकई में एन्जॉय करते हैं. इसके साथ ही वह सुनिश्चित करते हैं इसका प्रोडक्शन हमेशा शानदार हो. मनीष ने यह भी कहा कि वह खुश हैं कि दर्शकों को फिल्म में उनका ब्रोमांस पसंद आ रहा है. बता दें दें, मनीष फिल्म में वरुण धवन के दोस्त और कियारा आडवाणी के भाई की भूमिका में देखे गए थे. आपको बता दें कि जुग जुग जियो फिल्म एक फैमिली एंटरटेनर मूवी है.

पिछले दो साल में रोहित शर्मा और ऋषभ पंत से ज्यादा विराट कोहली ने बनाए रन, फिर भी पूर्व कप्तान पर लटकी तलवार?

नई दिल्ली: भारतीय क्रिकेट टीम के सबसे भरोसेमंद खिलाड़ी रहे विराट कोहली इन दिनों अपनी खराब फॉर्म के कारण चर्चा में हैं। आईपीएल 2022 के खत्म होने के बाद विराट कोहली को आराम दिया गया था और एक बार फिर इंग्लैंड दौरे के बाद उन्हें वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली सीरीज के लिए आराम दिया गया है। इंग्लैंड के खिलाड़ी टेस्ट मैच के जरिए उन्होंने लगभग 4 महीने बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वापसी की थी। लेकिन इस मैच में वह सिर्फ 31 रन बना सके। इसके बाद टी20 सीरीज में भी उनका बल्ला खामोश रहा और दो मैचों में कोहली 12 रन हीं बना सके। कोहली के हालिया फॉर्म को देखते हुए उन्हें टी20 टीम से बाहर करने की चर्चा जोरों पर है। हालांकि आंकड़ों पर नजर डाले तो विराट कोहली पिछले दो सालों से अन्य स्टार भारतीय खिलाड़ियों से बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। पिछले दो साल के आंकड़ों पर नजर डाले तो विराट कोहली भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उन्होंने तीन फॉर्मेट में कुल मिलाकर 2237 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने टी20 में 663, वनडे में 702 और टेस्ट में 767 रन बनाए हैं। इस लिस्ट में ऋषभ पंत 2213 रन के साथ दूसरे नंबर पर हैं,

जबकि फुलटाइम कप्तान रोहित शर्मा ने 2020 के बाद से तीनो फॉर्मेट को मिलाकर 2039 रन बनाए हैं। जिसका मतलब है कि भारत के पूर्व कप्तान विराट कोहली 2020 के बाद से भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम तीनों फॉर्मेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने 3508 रन बनाए हैं। इस लिस्ट में कोहली 7वें स्थान पर हैं। प्रेमी संग ऐसी रात बिताई, सुबह होते ही अस्पताल पहुंची प्रेमिका तो पुलिस हिरासत में लड़का, जानिए मामला

इस साल कोहली के बल्ले से बड़ी पारियां नहीं निकली हैं और कप्तान रहते हुए बेहतरीन प्रदर्शन करके जो उन्होंने अपने स्टैंडर्ड को ऊंचा किया, उसका खामियाजा अब उन्हें खराब पारियों से चुकाना पड़ रहा है। इस साल आईपीएल में भी उनका प्रदर्शन औसत रहा था, जिसके कारण अब उन्हें टी20 टीम से बाहर करने की मांग हो रही है। कोहली को बाहर करने की एक वजह ये भी कि सूर्यकुमार यादव और दीपक हुड्डा जैसे युवा खिलाड़ी अच्छे स्ट्राइक रेट से उनसे बेहतर रखे.

श्रीलंका संकट: भारत करेगा एशिया कप 2022 की मेजबानी?

बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ने दिया ये जवाब

नई दिल्ली: श्रीलंका इस समय अपने इतिहास के सबसे भीषण आर्थिक संकट से गुजर रहा है। देश में इमरजेंसी लागू है और उनकी अर्थव्यवस्था चरमरा गई है। श्रीलंका में इमरजेंसी के बीच अब राजनीतिक संकट भी उत्पन्न हो गया है। सरकार के खिलाफ पूरे देश में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं और देश के कुछ हिस्सों में कुछ विरोध हिंसक भी हुए हैं। ऐसे समय में एशिया कप 2022 के देश के मेजबानी अधिकारों पर सवाल उठाए जा रहे हैं। क्या श्रीलंका ऐसे समय में एक बहु-राष्ट्र टूर्नामेंट की मेजबानी कर पाएगा, जब देश अपने सबसे बड़े आर्थिक संकट से गुजर रहा है, जहां लोग बुनियादी जरूरतों के लिए संघर्ष कर रहे हैं? और यदि श्रीलंका नहीं, तो क्या भारत इस आयोजन की मेजबानी के लिए वैकल्पिक स्थल के रूप में आगे आएगा? भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के अध्यक्ष सौरव गांगुली ने एएनआई से गुरुवार को कहा कि बोर्ड वहां चल रहे राजनीतिक और आर्थिक संकट के बीच द्वीप राष्ट्र की स्थिति पर नजर रखेगा। सौरव गांगुली ने कहा, ह्यह्यमैं इस समय (भारत के आयोजन की मेजबानी की संभावना के बारे में) टिप्पणी नहीं कर सकता। हम निगरानी रखेंगे (श्रीलंका की स्थिति)। ऑस्ट्रेलिया वहां खेल रहा है। श्रीलंका की टीम भी अच्छा कर रही है। मैं इस समय इस पर टिप्पणी नहीं कर सकता। हम एक महीने तक इंतजार करते हैं।पिछले दो साल में रोहित शर्मा और ऋषभ पंत से ज्यादा विराट कोहली ने बनाए रन, फिर भी पूर्व कप्तान पर लटकी

रिश्ते का खून : देवरिया में छोटी बहन ने बड़ी बहन की चाकू से गोदकर की हत्या, क्या थी वजह? गौरतलब है कि हाल ही में ऑस्ट्रेलिया ने श्रीलंका का एक महीने का दौरा खत्म किया। सीरीज काफी प्रतिस्पर्धी थी और दोनों टीमों ने अच्छा क्रिकेट खेला। ऑस्ट्रेलिया ने टी20 सीरीज 2-1 से जीती।

हरभजन सिंह क्रिकेट के मैदान पर करेंगे वापसी, लीजेंड्स लीग क्रिकेट में करेंगे शिरकत

नई दिल्ली: भारत के पूर्व ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह क्रिकेट के मैदान पर वापसी करते हुए सितंबर में लीजेंड्स लीग क्रिकेट के दूसरे सत्र में खेलेंगे। उनके अलावा भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग, इरफान पठान, युसूफ पठान, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट ली, श्रीलंका के महान स्पिनर मुथैया मुरलीधरन और अपनी कप्तानी में इंग्लैंड को पहली बार वर्ल्ड कप जिताने वाले इयोन मोर्गन एक बार फिर से मैदान पर वापसी करने जा रहे हैं। इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले चुके मोर्गन लीजेंड्स लीग क्रिकेट के दूसरे सीजन में खेलते हुए दिखाई देंगे। लीग के दूसरे सत्र में चार टीमें और 110 पूर्व क्रिकेटर भाग लेंगे। हरभजन ने कहा , मैदान पर वापसी करने को लेकर रोमांचित हूं। इस बीच वेस्टइंडीज के पूर्व क्रिकेटर लैंडल सिमंस और दिनेश रामदीन भी आगामी सत्र के लिये खिलाड़ियों के ड्राफ्ट में शामिल हो गए हैं।पिछले दो साल में रोहित शर्मा और ऋषभ पंत से ज्यादा विराट कोहली ने बनाए रन, फिर भी पूर्व कप्तान पर लटकी

टूर्नामेंट के उद्घाटन संस्करण में भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटरों को क्रमशः भारत, एशिया और शेष विश्व का प्रतिनिधित्व करने वाली तीन टीमों में बांटा गया था।

बारिश कहर बरपा रही है, राज्यपाल कहां हैं,संजय राउत ने शिंदे सरकार को बताया अवैध

मुंबई: शिवसेना नेता संजय राउत ने गुरुवार को दावा किया कि महाराष्ट्र में वर्तमान में कोई सरकार नहीं है। उन्होंने कहा कि एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार ह्लअवैधह्व है। साथ ही उन्होंने राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी को लेकर भी सवाल पूछा। उन्होंने कहा कि जब राज्य में बारिश कहर बरपा रही है तो ऐसे में वे कहां हैं। यहां पत्रकारों से बात करते हुए राउत ने कहा कि राज्य के कई हिस्सों में कालरा (हैजा) फैल गया है, जिसके परिणामस्वरूप मौतें हुई हैं। उन्होंने कहा, ह्लमहाराष्ट्र फिर से लॉकडाउन में है। बाढ़ के कारण करीब 100 लोगों की मौत हो गई है ह्व राज्य सरकार के आंकड़ों के अनुसार, 1 जून से 10 जुलाई के बीच बारिश से संबंधित घटनाओं के कारण 83 लोगों की मौत हुई है। ये मौतें बाढ़, बिजली गिरने, भूस्खलन, पेड़ों के गिरने और इमारतों के ढहने जैसी घटनाओं के कारण हुई हैं। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने एक रिपोर्ट में कहा था।बुधवार को राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने कहा कि 181 लोग कालरा से संक्रमित हुए हैं, जिनमें से पांच की मौत हो गई है। राउत ने कहा, ह्लऐसी स्थिति में, राज्य में कोई सरकार नहीं है। राज्य में कोई सरकार नहीं है क्योंकि यह एक अवैध सरकार है ह्व उन्होंने कहा, ह्लअब हमारे राज्यपाल कहां हैं? राज्य में कोई सरकार नहीं है, कोई कैबिनेट नहीं है ह्व उद्धव ठाकरे के गुट वाली शिवसेना जोर देकर कहती है कि नई सरकार को अवैध रूप से शपथ दिलाई गई है क्योंकि शिंदे और सेना के 39 बागी विधायकों की अयोग्यता याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट के समक्ष लंबित हैं। शिवसेना के 40 से ज्यादा विधायकों ने पार्टी नेतृत्व के खिलाफ बगावत कर दी थी, जिससे जून के अंतिम सप्ताह में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महा विकास अघाड़ी (एमवीए) सरकार गिर गई। राउत ने कहा, ह्लराज्य में बाढ़ कहर बरपा रही है।

राज्यपाल कहां हैं? वह कल तक हमारा मार्गदर्शन कर रहे थे। अब वह कहां हैं? राज्य के लिए अब उनके मार्गदर्शन की जरूरत है। राज्यसभा सदस्य ने कहा कि शिवसेना के कई विधायक, जो पक्ष बदल चुके हैं, उन्हें अयोग्य घोषित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि बागी विधायकों के ऊपर अयोग्यता की तलवार लटकी हुई है।

URGENTLY REQUIRED FEMALE STAFF
VACANCY VACANCY
ICON OPTICAL GALLERY
Urgently Required Female Staff Accountant Cum Sales Girl For Counter Sell.
Note : Must Have Computer Operating Knowledge
Contact Us : 9819292152
Shop No. 52, R.N.A. Arcade, Lokhandwala Complex, Andheri (West), Mumbai - 400 053
murtaza12152@yahoo.com

TASNEEM COLLECTION
Online Shopping Hub
Only of Ladies Bags, Kurtis, Accessories
Kitchen & Household items
Baby products
Plastic items
And much more......all under one roof
Best business opportunity for housewives to become reseller & earn at zero investment
Farida Rampurawala :
8898065152
RH 1, C 26 row house number, Swamy Ayyappam temple road, Sector. 8, New Mumbai, Vashi-400 703

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक संपादक – मुर्तुजा मामाजीवाला के द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, युनिट नं. 4, ग्राउंड फ्लोअर, एन. के इंडस्ट्रिअल इस्टेट , ऑफ आरे रोड , प्रवासी इंडस्ट्रिअल इस्टेट के पास , गेट नं. 2, गोरेगाव (पूर्व),मुंबई – 400063 से मुद्रित कर शिव वातुक सेना कासिम नगर नियर लक्ष्मी इस्टेट न्यू लिंक रोड, अंधेरी (प),मुंबई -400053 प्रकाशित । संपादक: मुर्तुजा मामाजीवाला मों. 9819199997
T.C. NO. MAHHIN10172 ■ ईमेल: newsicon2021@gmail.com ■ newsicon.net